Psa

Chapter 65

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1								
לַמְנַצֵּחַ	מִזְמוֹר	לְדָוִד	שִׁיר׃	לְךָ	דֻמִיָּה	תְהִלָּה	אֱלֹהִים	בְּצִיּוֹן
-प्रधान-संगीतकार-के-लिए	भजन	-दाऊद-का	गीत	तेरे-लिए	प्रतीक्षा-करती-है	स्तुति	एलोहीम	-सिय्योन-में
H5329	H4210	H1732			H1747	H8416	H0430	H6726
וּלְךָ	יְשֻׁלַּם־	נֶדֶר׃						
और-तुझे	पूरी-की-जाएगी	मन्नत						
		H5088						

> हे सिय्योन के परमेश्वर, मैं तेरी स्तुति करता हूँ। मैंने जो मन्नत मानी, तुझपर चढ़ाता हूँ।

2					
שֹׁמֵעַ	תְּפִלָּה	עָדֶיךָ	כָּל־	בָּשָׂר	יָבֹאוּ׃
सुननेवाले	प्रार्थना-के	तेरे-पास	सब	शरीर	आएंगे
H8085	H8605	H5704	H3605	H1320	H0935

> मैं तेरे उन कामों का बखान करता हूँ, जो तूने किये हैं। हमारी प्रार्थनायें तू सुनता रहता हैं। तू हर किसी व्यक्ति की प्रार्थनायें सुनता है, जो तेरी शरण में आता है।

3						
דִּבְרֵי	עֲוֺנֹת	גָּבְרוּ	מֶנִּי	פְּשָׁעֵינוּ	אַתָּה	תְכַפְּרֵם׃
बातें	अधर्मों-की	प्रबल-हुईं	मुझ-पर	हमारे-अपराधों-को	तू	प्रायश्चित-करेगा-उन्हें
H1697	H5771	H1396		H6588		

> जब हमारे पाप हम पर भारी पड़ते हैं, हमसे सहन नहीं हो पाते, तो तू हमारे उन पापों को हर कर ले जाता है।

4							
אַשְׁרֵי	תִּבְחַר	וּתְקָרֵב	יִשְׁכֹּן	חֲצֵרֶיךָ	נִשְׂבְּעָה	בְּטוּב	בֵּיתֶךָ
धन्य	तू-चुनता-है	और-निकट-लाता-है	वह-निवास-करेगा	तेरे-आंगनों-में	हम-तृप्त-होंगे	-भलाई-से	तेरे-घर-की
H0835	H0977	H7126	H7931		H7646	H2898	
קְדֹשׁ	הֵיכָלֶךָ׃						
पवित्र	तेरे-मंदिर-की						
H6918	H1964						

> हे परमेश्वर, तूने अपने भक्त चुने हैं। तूने हमको चुना है कि हम तेरे मन्दिर में आयें और तेरी उपासना करें। हम तेरे मन्दिर में बहुत प्रसन्न हैं। सभी अद्भुत वस्तुएं हमारे पास है।

5									
נוֹרָאוֹת	בְּצֶדֶק	תַּעֲנֵנוּ	אֱלֹהֵי	יִשְׁעֵנוּ	מִבְטָח	כָּל־	קַצְוֵי־	אֶרֶץ	וְיָם
भयावह-कार्यों-से	धार्मिकता-में	तू-हमें-उत्तर-देगा	एलोहे	हमारे-उद्धार-के	भरोसा	सब	छोरों-का	पृथ्वी-के	और
H3372	H6664		H0430	H3468	H4009	H3605	H7099	H0776	H3220
רְחֹקִים׃									
दूर-समुद्रों-का									
H7350									

> हे परमेश्वर, तू हमारी रक्षा करता है। सज्जन तेरी प्रार्थना करते, और तू उनकी विनतियों का उत्तर देता है। उनके लिए तू अचरज भरे काम करता है। सारे संसार के लोग तेरे भरोसे हैं।

6				
מֵכִין	הָרִים	בְּכֹחוֹ	נֶאְזָר	בִּגְבוּרָה׃
स्थापित-करनेवाले	पर्वतों-को	अपनी-शक्ति-से	कमर-बांधे-हुए	सामर्थ्य-से
	H2022		H0247	H1369

> परमेश्वर ने अपनी महाशक्ति का प्रयोग किया और पर्वत रच डाले। उसकी शक्ति हम अपने चारों तरफ देखते हैं।

7

מַשְׁבִּ֤יחַ׀	शांत-करनेवाले	
שְׁא֣וֹן	शोर	H7588
יַ֭מִּים	समुद्रों-का	H3220
שְׁא֣וֹן	शोर	H7588
גַּלֵּיהֶ֑ם	उनकी-लहरों-का	H1530
וַהֲמ֥וֹן	और-कोलाहल	
לְאֻמִּֽים׃	लोगों-का	H3816

परमेश्वर ने उफनते हुए सागर शांत किया। परमेश्वर ने जगत के सभी असंख्य लोगों को बनाया है।

8

וַיִּֽירְא֨וּ׀	और-डरते-हैं	H3372
יֹשְׁבֵ֣י	निवासी	H3427
קְ֭צָוֺת	दूरेस्थ	H7098
מֵאוֹתֹתֶ֑יךָ	तेरे-चिह्नों-से	H0226
מ֤וֹצָאֵי־	निकलने	H4161
בֹ֖קֶר	भोर-को	H1242
וָעֶ֣רֶב	और-सांझ-को	H6153
תַּרְנִֽין׃	तू-गाने-लगाता-है	

जिन अद्भुत बातों को परमेश्वर करता है, उनसे धरती का हर व्यक्ति डरता है। परमेश्वर तू ही हर कहीं सूर्य को उगाता और छिपाता है। लोग तेरा गुणगान करते हैं।

9

פָּקַ֥דְתָּ	तू-भेंट-देता-है	
הָאָ֨רֶץ׀	-पृथ्वी-को	H0776
וַתְּשֹׁ֗קְקֶהָ	और-सींचता-है-उसे	H7783
רַבַּ֬ת	बहुत	
תַּעְשְׁרֶ֗נָּה	तू-धनी-करता-है-उसे	H6238
פֶּ֣לֶג	नदी	H6388
אֱ֭לֹהִים	एलोहीम-की	H0430
מָ֣לֵא	भरी-है	H4390
מָ֑יִם	जल-से	H4325
תָּכִ֥ין	तू-तैयार-करता-है	
דְּ֝גָנָ֗ם	उनके-अनाज-को	H1715
כִּי־	क्योंकि	
כֵ֣ן	ऐसे	
תְּכִינֶֽהָ׃	तूने-तैयार-किया-है-उसे	

पृथ्वी की सारी रखवाली तू करता है। तू ही इसे सींचता और तू ही इससे बहुत सारी वस्तुएं उपजाता है। हे परमेश्वर, नदियों को पानी से तू ही भरता है। तू ही फसलों की बढ़वार करता है। तू यह इस विधि से करता है।

10

תְּלָמֶ֣יהָ	उसकी-मेड़ों-को	H8525
רַ֭וֵּה	तू-बहुतायत-से-सींचता-है	H7301
נַחֵ֣ת	तू-बैठाता-है	H5181
גְּדוּדֶ֑יהָ	उसकी-क्यारियों-को	H1418
בִּרְבִיבִ֥ים	बारिशों-से	H7241
תְּמֹגְגֶ֗נָּה	तू-उसे-कोमल-करता-है	H4127
צִמְחָ֥הּ	उसकी-उपज-को	H6780
תְּבָרֵֽךְ׃	तू-आशीर्वाद-देता-है	H1288

जुते हुए खेतों पर वर्षा कराता है। तू खेतों को जल से सराबोर कर देता, और धरती को वर्षा से नरम बनाता है, और तू फिर पौधों की बढ़वार करता है।

11

עִ֭טַּרְתָּ	तू-मुकुट-पहनाता-है	
שְׁנַ֣ת	वर्ष-को	H8141
טוֹבָתֶ֑ךָ	अपनी-भलाई-से	
וּ֝מַעְגָּלֶ֗יךָ	और-तेरे-मार्ग	H4570
יִרְעֲפ֥וּן	टपकते-हैं	H7491
דָּֽשֶׁן׃	बहुतायत-से	H1880

तू नये साल का आरम्भ उत्तम फसलों से करता है। तू भरपूर फसलों से गाड़ियाँ भर देता है।

12

יִ֭רְעֲפוּ	टपकते-हैं	H7491
נְא֣וֹת	चरागाहें	H4999
מִדְבָּ֑ר	जंगल-की	
וְ֝גִ֗יל	और-आनंद	
גְּבָע֥וֹת	पहाड़ियां	H1389
תַּחְגֹּֽרְנָה׃	कमर-कसती-हैं	H2296

वन औक पर्वत दूब घास से ढक जाते हैं।

13

לָבְשׁ֨וּ	पहने-हैं	H3847
כָרִ֨ים׀	चरागाहें	
הַצֹּ֗אן	-भेड़-बकरियों-को	H6629
וַעֲמָקִ֥ים	और-घाटियां	H6010
יַֽעַטְפוּ־	ढकी-हैं	
בָ֑ר	अनाज-से	
יִ֝תְרוֹעֲע֗וּ	वे-जयजयकार-करते-हैं	H7321
אַף־	हां	H0637
יָשִֽׁירוּ׃	वे-गाते-हैं	H7891

भेड़ों से चरागाहें भर गयी। उसलों से घाटियाँ भरपूर हो रही हैं। हर कोई गा रहा और आनन्द में ऊँचा पुकार रहा है।